ग्रामीण अस्पताल में कोरोना नियमों का उल्लंघन

595 मरीज भर्ती, सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

संवाददाता, 27 फरवरी
चांदूर बाजार- शहर तथा तहसील में कोरोना बाधितों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. लेकिन नागरिक बेखौफ घूम रहे है. इलाज के लिए ग्रामीण अस्पताल में आने वाले मरीज भी नियमों के पालन के बारे में उदासीन नजर आ रहे हैं. सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल नहीं रखा जा रहा है. तहसील में कोरोना मरीजों की संख्या छठवें शतक की ओर बढ़ रही है. गुरुवार को एक ही दिन तहसील में 16 नए मरीज पाए जाने से अब कोरोना बाधितों की संख्या 595 हो गई है. बढ़ते संक्रमण को देखते प्रशासन ने कड़े निर्बंध जारी किए हैं.

उस पर अमल के लिए पालिका व पुलिस प्रशासन सड़क पर उतरकर नियम तोड़ने वालों को दंडित कर रहे हैं. तहसीलदार धीरज स्थूल ने स्वास्थ्य विभाग, पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ इमरजेंसी बैठक बुलाकर जिला प्रशासन के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए. थानेदार सुनील किनगे, उपनिरीक्षक पंकज दाभाड़े, पेंदोरे का दस्ता नियमों के पालन पर नजर रख रहा है. पालिका के परिमल देशमुख व रवींद्र जाधव के नेतृत्व में तैनात दस्ता बिना मास्क घूमने वालों पर कार्रवाई कर रहा है. ऐसे नागरिकों को पकड़कर उनसे 26900 रु. जुर्माना वसूला गया. फिर भी नागरिक खुद नियमों का पालन करने में उदासीन दिखाई दे रहे हैं.

आरटीपीसीआर जांच शिविर

ग्रामीण अस्पताल में अब तक एंटीजन टेस्ट करवाएं जा रहे थे, लेकिन अब आरटीपीसीआर जांच के निर्देश प्राप्त होने की जानकारी ग्रामीण अस्पताल के सूत्रों ने दी. स्थानीय ग्रामीण अस्पताल में कोरोना टेस्ट के साथ मरीजों के इलाज के लिए कोविड सेंटर भी क्रियान्वित है. यहां पर शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र के अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीज भी इलाज के लिए आते हैं. दवा लेते समय मरीज सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करते हैं. उन पर नियंत्रण के लिए ग्रामीण अस्पताल प्रशासन भी प्रयास नहीं कर रहा है. यही भीड़ भविष्य में कोरोना विस्फोट की वजह साबित होगी इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता.

शाम 5 के बाद पुलिस राज

लॉकडाउन में कोविड नियमों का पालन करवाने पुलिस कर रही कसरत

संवाददाता, 26 फरवरी
तलेगांव दशासर- संपूर्ण अमरावती जिले में कोरोना ने अपनी पकड़ मजबूत करने व हर दिन सैकड़ों मरीजों के मिलने के बाद शहर व कसबों में लोग दहशत में आ गये हैं. उसी के लिए जिला प्रशासन ने जिला के कुछ शहरों में पूर्ण तो कुछ क्षेत्रों में शाम 5 से सुबह 8 बजे तक का लॉकडाउन, संचारबंदी घोषित की है, जिसे अमली जामा पहनाने का काम स्थानीय पुलिस व प्रशासन को साथ लेकर करना पड़ रहा है. उसी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में इस लॉकडाउन व संचारबंदी को कायम रखने की जवाबदारी को पुलिस प्रशासन बखूबी निभा रहा है. आज ग्राम में शाम 5 बजे के बाद थानेदार अशोक काम्बले अपने मातहत पुलिस दल के साथ निकलकर ग्रामीण क्षेत्र में सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों व लोगों को घर में रहें, सुरक्षित रहें के तहत कानून की पाबंदियों का पालन कराने बड़ी कसरत करते दिखाई दे रहे हैं. वहीं आज शाम 5 से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता व हलचल से लॉकडाउन व संचार बंदी का पूर्ण रूप से पालन हो रहा है. पुलिस अपनी उसी 8 माह पुरानी लय में रहते हुए लोगों को कानून व्यवस्था को पूर्ण रूप से कायम रखने व लॉकडाउन, संचारबंदी को सफल बनाने में फिर मैदान में है.

सड़क निर्माण कार्य के प्रति शासन उदासीन

संवाददाता, 27 फरवरी
चिखलदरा- पर्यटन नगरी में परतवाड़ा से चिखलदरा के 32 किलोमीटर मार्ग का दुरुस्ती कार्य पिछले पांच वर्षों से जारी है. जिसमें से केवल 12 किलोमीटर रास्ता परतवाड़ा से धामणगांव गढ़ी तक बना है. शेष 20 किलोमीटर का रास्ता वन विभाग के अड़ियल रवैये से अटका पड़ा है. जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों ने समय-समय पर बैठक आयोजित कर इसका हल निकालने में दो वर्ष निकाल दिए, तब कहीं जाकर इस हेतु सहमति दर्शाई गई. अनुमति के उपरांत भी लगभग 8-10 माह का समय बीत चुका है, किंतु सार्वजनिक बांधकाम विभाग अपनी उदासीनता का परिचय देते हुए मूकदर्शक की भूमिका अपनाए हुए है.

इस मार्ग को बनाने का काम वैल्सपन कंपनी को दिया गया है, जिसने अब तक केवल धामणगांव गढ़ी तक ही मार्ग बनाने का काम किया है. शेष 20 किलोमीटर का कार्य शासन के अड़ियल रवैये के चलते सब कंस्ट्रक्टर के रूप में किसी अन्य कंपनी को इसका ठेका देकर अपनी मुक्ति ले ली है.

सैलानियों, स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों के लिए लगभग 20 किलोमीटर का मार्ग सिरदर्द बना हुआ है. कमरतोड़ इस मार्ग पर वाहन चलाना किसी सर्कस से कम नहीं. यद्यपि मेलघाट के विधायक राजकुमार पटेल ने 27 जनवरी को रास्ता रोको आंदोलन की चेतावनी देते ही मार्ग में पड़े गड्ढों की मरम्मत का कार्य शुरू होने से मार्ग के बनने की आशा जगी थी, किंतु सार्वजनिक बांधकाम विभाग की चुप्पी इस मार्ग को बनाने में अपनी उदासीनता का परिचय देती है. आश्चर्य है कि धामणगांव से चिखलदरा के 20 किमी के अलावा स्थानीय नाके के पास से विश्राम भवन तक के लगभग 4 किमी मार्ग के चौड़ीकरण कार्य को भी अब तक आरंभ नहीं किया गया है.

वेतन न मिलने से सुरक्षा रक्षकों पर भुखमरी

सरकारी छात्रावास व आश्रमशाला के सुरक्षा रक्षकों पर आर्थिक संकट

संवाददाता, 27 फरवरी
चांदूर रेलवे- स्थानीय शासकीय छात्रावास व तुलजापुर की निवासी आश्रमशाला में कार्यरत 9 सुरक्षा रक्षकों को 8 माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके परिवारों पर भूखे मरने की नौबत आई है. सरकारी छात्रावास आश्रमशाला के सुरक्षा रक्षकों को जून 2020 से जनवरी 2021 तक वेतन नहीं मिला है. कोविड-19 की कालावधि में स्थानीय सरकारी छात्रावास में क्वारंटाइन होम बनाया गया. तब जान की बाजी लगाकर इन्हीं सुरक्षा रक्षकों ने 24 घंटे अपना कर्तव्य निभाया, लेकिन उनकी सेवा की दखल न लेते हुए उन्हें गत 8 माह से बिना वेतन जीवनयापन करना पड़ रहा है. आगामी 10 दिनों में संबंधित कंपनी में बकाया वेतन व दो साल का प्रॉविडेंट फंड जमा नहीं किया तो जिलाधीश कार्यालय के सामने आत्मदहन करेंगे. ऐसा इशारा वेतन से वंचित सुरक्षा रक्षकों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर किया है.क्रिस्टल एंटीग्रेटेड प्राइवेट लि. कंपनी द्वारा स्थानीय सरकारी छात्रावास व तुलजापुर की आश्रमशाला में 9 सुरक्षा रक्षक कार्यरत हैं. वेतन के बारे में कंपनी से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि फरवरी 2020 तक का वेतन सरकार को अदा किया था. उसके बाद अप्रैल व मई का वेतन कंपनी ने स्व निधि से किया था. सरकार द्वारा निधि न दिए जाने से कंपनी सुरक्षा रक्षकों का वेतन नहीं दे सकती. इससे तंग आकर समस्या हल नहीं हुई तो 1 मार्च के बाद आत्मदहन का इशारा अशोक बनसोड़, अरविंद गडलिंग, आशीष शेलके, अजय देसाई, चेतन बेलसरे, आशीष मुधोलकर, स्वप्निल माकोड़े, ऋषिकेश राऊत, आकाश आड़े आदि ने दिया है.

कृमिनाशक गोलियों का वितरण 1 को

वाशिम- जिले के 1 से 19 वर्ष आयु गुट के लड़के-लड़कियों को राष्ट्रीय कृमिनाशक दिन पर 1 मार्च 2021 को घर-घर जाकर कृमिनाशक गोलियों का वितरण किया जाएगा. इस अभियान की तैयारी का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को जिलाधीश षण्मुगराजन एस. ने समन्वय समिति की सभा ली व आवश्यक सूचनाएं दी.

पिंपलखुटा-गव्हानिपाणी में तेंदुए की दहशत

किसान खेत में जाने से कतरा रहे

संवाददाता, 26 फरवरी
धामणगांव रेलवे- तहसील के पिंपलखुटा-गव्हानिपाणी मार्ग पर गव्हानिपाणी खेत शिवार में तेंदुए के आगमन से परिसर में दहशत फैली है. गुरुवार की शाम कुछ किसानों को वहां पर तेंदुआ दिखाई देने से किसान व खेत मजदूर घबरा गए हैं.

जानकारी के अनुसार गुरुवार, 25 फरवरी की शाम कुछ किसानों को गव्हानिपाणी खेत शिवार में तेंदुआ सदृश्य पशु दिखाई दिया. जिसे देखकर घबराकर वह मेन रोड पर आए और उन्होंने घटना की जानकारी आसपास के किसानों को दी. फिलहाल खेतों में कपास की चुनाई व चने की कटाई का काम जोरों पर चल रहा है, लेकिन डर के मारे किसान खेतों में जाने से कतरा रहे हैं. परिणामस्वरुप सभी काम रुक गए हैं. वनविभाग को तेंदुआ दिखाई देने की जानकारी दी गई है. तेंदुआ मवेशी या मनुष्य पर कभी भी हमला कर सकता है. खेतों में जाने वाले किसानों का डर के मारे बुरा हाल हुआ है. वनपरिक्षेत्र अधिकारी आशीष कोकाटे ने तेंदुए की तलाश में वनविभाग का दस्ता निरीक्षण के लिए भेजा था, लेकिन उन्हें कहीं भी तेंदुए के पदचिह्न नहीं दिखाई दिए. फिर भी तेंदुए का अस्तित्व रहने से नागरिकों से सतर्क रहने का आह्वान वनपरिक्षेत्र अधिकारी आशीष कोकाटे तथा पिंपलखुटा ग्राम पंचायत की ओर से मुनादी द्वारा किया गया है.

वनविभाग जल्द से जल्द तेंदुए को पकड़े

लोगों को डर से मुक्ति दिलाने हेतु वनविभाग इस तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़े, ऐसी मांग किसान-खेत मजदूर कर रहे हैं. रात में फसल की रखवाली कर रहे किसानों को जान हथेली पर लेकर रात बितानी पड़ रही है. खेती के काम रुक गए हैं. भविष्य में कोई अनुचित घटना हुई तो उसकी जिम्मेदारी किस पर रहेगी? इसलिए वनविभाग जल्द से जल्द तेंदुए का बंदोबस्त करें, ऐसी मांग किसान कर रहे हैं.

शिवाबाबा के दर्शन से आनंद की अनुभूति

विधायक राजकुमार पटेल ने बताया अनुभव

धारणी- मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के आखिरी छोर स्थित शिवाबाबा के दर्शन के लिए विधायक राजकुमार पटेल वहां गए थे. दर्शन करने के बाद मध्यप्रदेश के पत्रकारों को विधायक पटेल ने शिवाबाबा के दर्शन से आनंद की अनुभूति व अध्यात्मिक शक्ति का संचार होने की भावना व्यक्त की. सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसे शिवाबाबा के प्रति खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, जलगांव जिले तथा मेलघाट के आदिवासियों के मन में अपार श्रद्धा है. दूर-दूर से लोग यहां दर्शन करने आते हैं और मन्नत पूरी करते हैं. मंदिर के अध्यक्ष रुपसिंग पवार ने विधायक राजकुमार पटेल का सत्कार किया. इस अवसर पर प्रकाश घाड़गे, कालू मालवीय, बैस, सूरज मालवीय, पत्रकार रवींद्र पांडे उपस्थित थे. विधायक पटेल ने शिवाबाबा के दर्शन कर कोरोना से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की. इस वर्ष कोरोना के कारण भक्तों की संख्या में काफी कमी आई है. धूलकोट के समीप स्थित शिवाबाबा के दर्शन करने तथा मन्नत पूरी करने धारणी तहसील के श्रद्धालु बड़ी संख्या में वहां पहुंचते हैं. विधायक पटेल जब दर्शन करने आए थे, तब मंदिर के पास बड़ी भीड़ जमा हुई थी.

पुलिस को दोस्त समझकर दें सहयोग

एसडीपीओ जाधव की क्षेत्र की जनता से अपील

चांदूर रेलवे- कोरोना रोकने के लिए सभी नियमों का कड़ाई से पालन करें व पुलिस को अपना दोस्त समझकर सहयोग दें, ऐसा आह्वान उपविभागीय पुलिस अधिकारी जीतेंद्र जाधव ने चांदूर रेलवे उपविभाग के नागरिकों से किया है.एसडीपीओ जाधव के अनुसार अमरावती जिले में कोरेना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है. उस पर नियंत्रण पाने के लिए त्रिसूत्री का पालन जरूरी हो गया है, इसलिए सभी मास्क पहनें, हाथ बार-बार धोएं व सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें. सोशल डिस्टेंसिंग की ओर ध्यान दें तथा प्रशासन द्वारा की गई अपील को प्रतिसाद दें. चांदूर रेलवे, तलेगांव दशासर, मंगरूल दस्तगीर, कुऱ्हा, दत्तापुर, तिवसा पुलिस थाने की सीमा अंतर्गत रहने वाले सभी नागरिकों से यह अपील करते हुए एसडीपीओ जीतेंद्र जाधव ने कहा कि कोरोना प्रतिबंधक सभी नियमों का पालन कर हम सब मिलकर कोरोना को मात देंगे. पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को अपना दोस्त समझकर उन्हें अच्छा सहयोग दें.

सिंधी समाज के अमूल्य रत्न डॉ. राम चंदनानी नहीं रहे

रविवार को टू व्हीलर वाहन से हुआ था अपघात

विनीता धर्मा, 26 फरवरी
अचलपुर- जुड़वा शहर के कंवर नगर निवासी डॉ. राम चंदनानी का शुक्रवार की सुबह अमरावती के निजी रेडिएंट हॉस्पिटल में निधन हो गया. उनका रविवार को मल्हारा स्थित अपने दवाखाने से आते समय धारणी रोड पर स्थित अथर्व पेट्रोल पंप के सामने उल्टी दिशा से आ रहे ट्रिपल सीट सवार दुपहिया वाहन ने जबर्दस्त टक्कर मार दी. तत्पश्चात उन्हें परतवाड़ा व तुरंत बाद अमरावती के रेडिएंट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया. उनके मस्तिष्क में बहुत ज्यादा चोट लगी थी. डॉ. सिकंदर आडवाणी व डॉ. काकानी के भरपूर प्रयासों के बावजूद उन्हें बचा ना पाए. डॉ. राम चंदनानी को परतवाड़ा सिंधी समाज का अमूल्य रत्न माना जाता था. वे उस दौर में डॉक्टर बने थे जब समाज में बहुत कम लोग पढ़ते थे. उन्होंने शहर को छोड़कर अस्पताल के गांवों में जहां वैदिक सेवाएं नहीं पहुंचती थी वहां अपनी सेवाएं दी. उन्होंने मल्हारा, गोंडवीर, गोलखेड़ा, मसून्स, हाथीघाट आदि दुर्गम छोटे गांवों में लोगों की निःस्वार्थ सेवा की. उन्होंने अपने भाई अर्जुन चंदनानी व अपने बेटे मनीष चंदनानी को भी डॉक्टर बनाया. डॉ. मनीष चंदनानी शहर के सबसे बड़े साईं हॉस्पिटल में शिशु तज्ञ के रूप में व बहू डॉ. विशाखा मनीष चंदनानी एम.डी. पैथोलॉजिस्ट के रूप में सेवाएं दे रहे हैं. ऐसे इस महान सेवाभावी डॉ. राम चंदनानी के आकस्मिक निधन से परतवाड़ा शहर, सिंधी समाज, डॉक्टर्स एसोसिएशन, मेडिकल एसोसिएशन व जुड़वा शहर के सभी नागरिक शोकाकुल है. कोरोना नियमों का पालन करते हुए शुक्रवार शाम 6 बजे हिंदू श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया.

देवमाली में ग्राम पंचायत प्रशासन का एक्शन मोड

परतवाड़ा- अमरावती जिले सहित अचलपुर तहसील में कोरोना अपना रौद्र रूप दिखा रहा है. परतवाड़ा के समीप स्थित देवमाली ग्राम पंचायत भी कोरोना का हॉटस्पॉट बन चुका है. इसके बावजूद देवमाली ग्राम में 30 स्थानों पर बांधकाम कार्य जारी है.संचारबंदी के पहले ही दिन 23 फरवरी को सरपंच पद्मा सोलंके, उपसरपंच शैलेश म्हाला, सचिव ताज पठान, ग्राम पंचायत कर्मचारी राहुल सरोदे तथा रावसाहब रहाटे ने स्वयं इन 30 बांधकाम निर्माण स्थलों पर जाकर कोरोना के प्रकोप तथा संभावित खतरे की जानकारी दी. परिस्थिति की गंभीरता को समझाते हुए आगे आदेश होने तक बांधकाम रोकने की सूचना दी.इस दौरान ग्राम पंचायत प्रशासन की ओर से जाहिर मुनादी भी की गयी कि बांधकाम बंद रखें.

अर्हम ग्रुप ने प्रदान किए नये कपड़े व मिठाई बॉक्स

शहर के सभी उपाश्रय, देरासर, दादावाड़ी व दिगंबर जैन मंदिर के सफाई व सुरक्षा कर्मियों की सेवा का सम्मान

प्रतिनिधि, 26 फरवरी
अमरावती- राष्ट्रसंत परम गुरुदेव नम्रमुनि महाराज साहेब के परम शरण में समग्र संसार का त्याग कर प्रभु पंथ पर प्रयाण कर रहे नौ-नौ मुमुक्षु आत्माओं के भागवती जैन दीक्षा महोत्सव पावन अवसर पर त्यागी, वैरागी दीक्षार्थी आत्माओं की अनुमोदना में अर्हम युवा सेवा ग्रुप द्वारा मां का प्रेम केयर विथ क्लॉथ्स सेवा उपक्रम अंतर्गत अमरावती शहर के सभी उपाश्रय, दादावाड़ी संस्थान, देरासर और दिगंबर जैन मंदिर आदि की निशदिन सुरक्षा करने वाले सुरक्षाकर्मी (चौकीदार) और साफ सफाई द्वारा स्वच्छता रखने वाले सभी सफाई कर्मचारियों को शर्ट पैंट के नये कपड़े व मिठाई बॉक्स प्रदान कर उनकी सेवा का सम्मान करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई.परम गुरुदेव की प्रेरणा से, मां स्वामी पूज्य जय-विजया महासती के अंतरिक्ष से बरसते आशीर्वाद से अर्हम सेवकों से अचानक ही मां का प्रेम रूप उपहार पाकर प्रसन्न हुए चौकीदार और इन सफाई कर्मचारियों ने कहा कि, 'कोरोना के चलते हमने तो हमारा कर्तव्य निभाया लेकिन कोई आकर हमारा ऐसा भी सम्मान करेगा ऐसा हमने कभी सोचा भी नहीं था. परम गुरुदेव के चरणों में वंदन करते हुए हम यही भावना व्यक्त करते हैं कि दीक्षार्थियों का स्व कल्याण व सर्वकल्याण का यह संयम सन्मार्ग निर्विघ्न व निष्कंटक बने, प्रभु से यही प्रार्थना. इन श्रेष्ठ भावों के साथ उन्होंने अर्हम सेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया. इन सफाई व सुरक्षा कर्मचारियों में वर्धमान स्थानकवासी जैन उपाश्रय अंबापेठ के भानुदास तिवलकर, पूज्य महासती की विहार सेवा के सुरक्षा कर्मी रामेश्वर चौधरी, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, बडनेरा रोड के अरुण देशमुख, दादावाड़ी बडनेरा रोड के सफाई कर्मचारी देवीदास वरघट, गणेशराव हिवसे, आदिनाथ दिगंबर मंदिर के दिगंबर रामदेवकर, बुधवारा जैन मंदिर के अनंत रामदेवकर, महावीर मंदिर के सुधाकर वारकरी, राबाई जैन मंदिर सराफा के चंद्रकांत कौनलाडे, शरद कौनलाडे, जैन बड़ा मंदिर सराफा के यशवंत सोनवानी आदि इन सफाई व सुरक्षा कर्मचारी व सेवा पूजक सेवकों का समावेश था, जिनकी अप्रतिम सेवा के लिए अर्हम सेवकों ने केयर विथ क्लॉथ्स का उपहार व मिठाई बॉक्स अर्पण कर सम्मान किया.अर्हम युवा सेवा ग्रुप के केयर विथ क्लॉथ्स के इस सेवा उपक्रम को सफल बनाने में संजय भाई संगई का विशेष सेवा सहयोग प्राप्त हुआ. अर्हम सेवक निमिष भाई संघाणी, विकास भाई देसाई, रोमितभाई पारेख, रितेशभाई पारेख, आरती देसाई, राजुल देसाई सभी ने मिलकर इस सेवा प्रकल्प को सफल बनाया.

महावितरण का 354 रुपए का आंकड़ा नागरिकों के लिए सिरदर्द

बिना बताए बिजली काटकर जुर्माना वारंट के रूप में थमा रहे विद्युत अधिकारी, जुड़वा शहर के नागरिकों को लाखों की चपत

विनीता धर्मा, 26 फरवरी
अचलपुर- जुड़वा शहर में पिछले कुछ दिनों से लॉकडाउन लगा है. इसके बावजूद भी बिजली विभाग का वसूली अभियान जोरों पर शुरू है. अचलपुर महावितरण कर्मी शहर के प्रत्येक वार्ड, मेन रोड पर बिजली बिल वसूलने के लिए अचानक पहुंच रहे हैं. जहां एक ओर घर पर कोई मौजूद न होने पर या दुकान पर कोई ना मिलने पर सबसे पहले बगैर बात के कनेक्शन काट दिया जाता है फिर नागरिक को रीकनेक्शन के नाम पर 354 रुपए जुर्माने का सरकारी फरमान हाथ में थमा दिया जाता है. पहले ही नागरिकों के पास मूलभूत बिल रकम भरने की पोजिशन नहीं है उसमें 354 रुपए का फरमान देना कहां तक जायज है. यह किसी सरकारी कलम जैसा हो जाता है. पहले 354 रुपए भरो फिर आपका कनेक्शन जोड़ा जाएगा, नहीं भरने पर आप अपने घर में सुरक्षित रहें, वह भी बगैर बिजली के. 'चाय से ज्यादा केतली गर्म होती है' यह यहां प्रयुक्त होता है. पहले के जमाने में सरकार पहले बात करती थी फिर सुनती थी, फिर लोगों के न सुनने पर कार्रवाई होती थी. इस प्रकार की कार्रवाई से जुड़वा शहर के नागरिकों के साथ बिजली विभाग के प्रति भय के साथ-साथ आक्रोश व्याप्त है. ज्ञात रहे इस प्रकार के जुर्माना वारंट से लाखों रुपए बिजली विभाग पहले ही वसूल कर चुकी है, जो कि अन्याय पूर्ण है. रिकनेक्शन के रूप में वसूल किए गए 354 रुपए ग्राहकों के अगले बिल में जमा किया जाएं, ऐसी मांग की जा रही है. वर्तमान में कोरोना काल को देखते हुए इस प्रकार की कार्रवाई को पूर्णतः बंद किया जाए, ऐसी मांग की जा रही है.

गेट लाईफ लेजर पाईल क्लिनीक
लेझर चे फायदे :
किमान रक्तस्राव होणे
लवकर सुट्टी होणे (डे केअर सर्जरी)
लवकर कामावर रुजू होणे
किमान वेदना
आजार पुन्हा होण्याची कमीत कमी शक्यता
या लक्षणा कडे दुर्लक्ष करु नका
शौचाला वारंवार जाणे
शौच साफ न होणे, कुथावे लागणे
शौचेमध्ये रक्त जाणे, कोंब बाहेर येणे
शौच करते वेळी तीव्र वेदना होणे
संडासच्या बाजुला वारंवार फोड येणे व त्यामधून पू वाहणे
लेजर
मुळव्याध, भगंदर, पायलोनिडल सायनस आणि फिशर्स साठी
यापैकी काही लक्षणे गुदद्वाराच्या कॅन्सरचे मुद्दा असू शकतात
गेट लाईफ हॉस्पिटल
मराठा फ्रेन्डस् क्लब जवळ, विजय कॉलनी, १९ नं. शाळे मागे, रुक्मिणी नगर, अमरावती
संपर्क : 9158882450

अमरावतीमधील सर्वात भव्य समारंभ हॉल
LOTUS INN
start New Life
शासनाच्या नियमानुसार बुकिंग सुरु आहे
भव्य समारंभ हॉल
भव्य भोजनालय हॉल
ए.सी.रुम
बर्थडे हॉल
साक्षगंध हॉल
ॲक्सेलेटर व लिफ्ट
भव्य पार्किंगची व्यवस्था
रहाटगांव रिंग रोड, अमरावती
9370335060 9923517090 8329617918

अशी सर्व्हिस दिल बोलेल वॉव
सर्व्हिस ची गॅरंटी म्हणजेच पूनम
SAMSUNG Godrej Panasonic
LG Whirlpool
Haier INTEX
0% फायनान्स वर सुद्धा उपलब्ध
पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स
मोती नगर, अमरावती 9921602386 9826875295